Pg. □□
Date □□ □□ □□□□

L-8

वीरों की पूजा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

(क) संन्यासी कहाँ न जाने की बात कर रहा है?
उत्तर: संन्यासी किसी भी तीर्थ स्थान पर न जाने की बात कर रहा है।

(ख) संन्यासी की आँखें क्या देखना चाहती है?
उत्तर: संन्यासी की आँखें सतियों की चिताओं पर माला, फूल एवं दीप जलाने का दृश्य देखना चाहती हैं।

(ग) संन्यासी क्या लेने जा रहा है?
उत्तर: संन्यासी पूजा की थाली लेने आ रहा है।

(घ) संन्यासी किस स्थान पर दीप जलाना चाहता है?
उत्तर: संन्यासी सतियों की समाधि पर दीप जलाना चाहता है।

(ङ) कविता के रचयिता कौन हैं?
उत्तर: कविता के रचयिता श्यामनरायण पांडेय जी हैं।

Pg. □□
Date □□.□□.□□□□

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखिए -

(क) पूजा का थाल लिए युवक को कवि ने मतवाले संन्यासी क्यों कहा है?

उत्तर: पूजा का थाल लिए युवक को कवि ने 'मतवाला संन्यासी' इसलिए कहा क्योंकि युवक अपनी ही धुन में उस दिशा में चला जा रहा था, जिस ओर कोई तीर्थस्थल आदि न थे।

(ख) कवि मतवाले संन्यासी से क्या पूछ रहे हैं?

उत्तर: कवि मतवाले संन्यासी से पूछ रहे हैं कि तुम इस ओर पूजा का थाल लेकर और पीतांबर ओढ़े कहाँ जा रहे हो, क्योंकि इधर न तो गंगासागर और न ही मथुरा, काशी जैसे कोई तीर्थस्थल हैं।

(ग) संन्यासी चित्तौड़ को तीर्थराज क्यों कह रहा है?

उत्तर: संन्यासी चित्तौड़ को इसलिए तीर्थराज इसलिए कह रहा है क्योंकि चित्तौड़ की महिलाओं ने अपने सम्मान की रक्षा के लिए जौहर-व्रत तक करने में संकोच नहीं किया और जहाँ के बच्चे तक स्वतंत्रता की रक्षा हेतु अपने प्राण न्योछावर करना [redacted] जानते हैं।

Pg. □□
Date □□ □□ □□□□

(घ) स्वतंत्रता को कवि अमूल्य क्यों बताता है?

उत्तर: कवि स्वतंत्रता को अमूल्य इसलिए मानता है क्योंकि परतंत्रता निकृष्ट होती है तथा मनुष्य के सम्मान को नष्ट कर देती है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

अपने अटल स्वतंत्र दुर्ग पर
सुनकर वैरी की बोली,
निकट पड़ी लेकर तलवारें
जहाँ जवानों की टोली।

उत्तर:- कवि कहते है कि जहाँ अपने स्वतंत्र एवं अचल खड़े दुर्ग पर दुश्मन के आक्रमण की आहट पाकर जवानों की टोलियाँ निकल पड़ी। उसे मेरी आँखे देखना चाहती है।

Pg. □□
Date □□ □□ □□□□

L- 8 (Do this work in copy)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"सुंदरियों ने जहाँ देश हित
जौहर व्रत करना सीखा,
स्वतंत्रता के लिए जहाँ पर
बच्चों ने भी मरना सीखा।"

(क) किस देश की सुंदरियों ने देश की भलाई के लिए जौहर-व्रत करना सीखा?

उत्तर: भारतवर्ष की सुंदरियों ने देश की भलाई के लिए जौहर-व्रत करना सीखा।

(ख) बच्चों ने क्यों मरना सीखा?

उत्तर: देश की स्वतंत्रता के लिए बच्चों ने मरना सीखा।

(ग) जौहर-व्रत का तात्पर्य क्या है?

उत्तर: जौहर-व्रत का तात्पर्य यह है कि जब राजवंश की महिलाओं का मान-सम्मान खतरे में पड़ जाता था, तो तब महिलाएँ सामूहिक रूप से जलती चिता में आत्मदाह कर लेती थीं।

(घ) स्वतंत्रता शब्द का विलोम लिखिए।

उत्तर: परतंत्रता।

Pg. ☐☐
Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

(do this work in book)

1. एक शब्द से परिवार बनाइए -
पूजा - पूजापा, पूजनीय
हित - हितकारी, हितैषी
दीप - दीपक, दीपमालिका
तीर्थ - तीर्थराज, तीर्थयात्रा

2. जय-जय, जल-जला ऐसे ही चार पुनरुक्त शब्द लिखिए
कल-कल पल-पल चल-चल
मल-मल

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए -
नाम - स्वनाम पथ - स्वपथ
जय - विजय देश - विदेश
हित - परहित ज्ञान - अज्ञान

4. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -
प्रात - संध्या जाना - आना
वीर - कायर वैरी - मित्र
पावन - अपावन मरना - जीना

5. कविता को पढ़कर चार व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द लिखिए -
गंगा सागर काशी रामेश्वर चित्तौड़

Pg. □□
Date □□ □□ □□□□

6. नीचे लिखे पदों मे समास कीजिए.

गंगा का जल - गंगा जल
ग्राम का वासी - ग्रामवासी
राम और सीता - राम-सीता
घोड़े पर सवार - घुड़सवार